एआई थ्रिलर डिटेक्टिव बूमराह का फर्स्ट लुक जारी

डिटेक्टिव बूमराह एंड द किलर डिटेक्टिव बूमराह यूनिवर्स का नया अध्याय है, जिसमें रहस्य, अलौकिक शक्तियों और आधुनिक तकनीक का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा. सीरीज़ के फर्स्ट लुक में एक ऐसी भयावह और रहस्यमयी शक्ति की झलक दिखाई गई है, जो अपने शिकारों का सात जन्मों तक मौन रूप से पीछा करती है और उनके कर्म यात्रा पूरी होने पर उनकी आत्मा पर अधिकार कर लेती है. कहानी तब रोमांचक मोड़ लेती है, जब एक मासूम बच्ची इस रहस्यमयी शक्ति का अगला निशाना बन जाती है. उसके बाद मानवता को बचाने की जिम्मेदारी डिटेक्टिव बूमराह के कंधों पर आ जाती है. वह अपने अब तक के सबसे कठिन, खतरनाक और रहस्यमयी मिशन पर निकलता है, जहां उसे तर्क, विज्ञान और अलौकिक शक्तियों के बीच छिपे सच का सामना करना पड़ता है.

निर्माताओं का दावा है कि यह भारत की पहली एआई संचालित सुपरनैचुरल डिटेक्टिव थ्रिलर है. इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल केवल तकनीकी सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी को विजुअल रूप देने और सिनेमाई अनुभव को नए स्तर पर पहुंचाने के लिए भी किया गया है. यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट पारंपरिक थ्रिलर सीरीज़ से अलग नजर आता है. सुधांशु राय इससे पहले भी अपनी कहानी कहने की शैली और डिटेक्टिव बूमराह फ्रेंचाइजी के जरिए दर्शकों के बीच पहचान बना चुके हैं. अब उनकी यह नई प्रस्तुति रहस्य, हॉरर, पौराणिक तत्वों और अत्याधुनिक तकनीक को एक साथ जोड़ने की कोशिश करती है. फर्स्ट लुक के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं.

हिरानी-अरशद की सुपरहिट जोड़ी फिर करेगी कमाल

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी अब पहली बार ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. उनकी आगामी क्राइम-कॉमेडी सीरीज़ 'प्रीतम एंड पेड्रो' कई मायनों में खास है. यह सिर्फ हिरानी का ओटीटी डेब्यू नहीं, बल्कि उनके बेटे वीर हिरानी की पहली एक्टिंग परियोजना भी है. इसके अलावा, इस सीरीज़ के जरिए दो दशक बाद अरशद वारसी और राजकुमार हिरानी की चर्चित जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आने वाली है. मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस से शुरू हुई राजकुमार हिरानी और अरशद वारसी की शानदार साझेदारी अब 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नए अंदाज में देखने को मिलेगी. इस बार अरशद एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे. दोनों की वापसी फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं मानी जा रही है.

खिलाड़ी कुमार का दमदार कमबैक, फैंस हुए खुश

अक्षय कुमार ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे फिल्मी करियर में रोमांस, ड्रामा, देशभक्ति और सामाजिक विषयों पर आधारित कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उनकी सबसे मजबूत पहचान हमेशा एक्शन और कॉमेडी रही है. 'वेलकम टू द जंगल' में अभिनेता एक बार फिर उसी सफल फॉर्मूले के साथ लौटे हैं, जिसने उन्हें बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद मनोरंजन सितारों में शामिल किया. फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार दमदार एक्शन के साथ हल्के-फुल्के हास्य से भरपूर है. उनकी कॉमिक टाइमिंग और संवाद अदायगी कई दृश्यों को यादगार बना देती है. यही वजह है कि दर्शक फिल्म को पुराने दौर की 'खिलाड़ी' और 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की झलक से जोड़कर देख रहे हैं.

फिल्म की कहानी में रोमांच, हास्य और मनोरंजन का भरपूर तड़का है. बड़े स्टारकास्ट, शानदार लोकेशन और भव्य एक्शन सीक्वेंस इसे एक मसाला एंटरटेनर का रूप देते हैं. खास तौर पर अक्षय कुमार का सहज अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरता है. सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. कई दर्शकों का मानना है कि अक्षय कुमार ने अपने क्लासिक अंदाज में वापसी की है और उनकी वही पुरानी ऊर्जा एक बार फिर स्क्रीन पर दिखाई दे रही है. हालांकि फिल्म को लेकर अलग-अलग दर्शकों की राय हो सकती है, लेकिन यह साफ है कि एक्शन और कॉमेडी के मेल में अक्षय कुमार की पकड़ आज भी मजबूत बनी हुई है.

मिर्जापुरः द मूवी में सोनल चौहान की एंट्री

बहुप्रतीक्षित फिल्म मिर्जापुरः द मूवी का टीज़र रिलीज हो चुका है, जिसमें एक बार फिर दर्शकों को गैंगवार, एक्शन और ड्रामा से भरपूर कहानी की झलक मिली है. टीज़र में मुन्ना त्रिपाठी और गुड्डू पंडित के बीच की पुरानी दुश्मनी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटती नजर आती है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है. टीज़र में अभिनेत्री सोनल चौहान की झलक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. वह एक बिल्कुल नए और रहस्यमयी अंदाज में नजर आती हैं.

रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, भारी ज्वेलरी और ग्लैमरस लुक में उनका किरदार फिल्म में एक महत्वपूर्ण और सस्पेंस से भरी परत जोड़ता हुआ दिखाई देता है. उनकी एंट्री ने दर्शकों के बीच कई सवाल और उत्सुकता पैदा कर दी है. फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है. इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस किया गया है. फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु, अभिषेक बनर्जी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रवि किशन, जितेंद्र कुमार और कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में दर्शकों के सामने पेश की जाएगी, और उम्मीद है कि यह एक बड़ा सिनेमाई अनुभव साबित होगी.

टेलीविजन

अनुपमा की चाल से बेनकाब होगा गौतम

धारावाहिक 'अनुपमा' के आगामी एपिसोड में कहानी बेहद नाटकीय मोड़ लेने वाली है. मेहंदी की खुशियों के बीच पुलिस अंश को एक युवती से बदसलूकी के आरोप में गिरफ्तार करने पहुंचती है. अंश खुद को बेगुनाह बताता है और कहता है कि उसने युवती की मदद की थी, लेकिन वीडियो और युवती के आरोपों के चलते पुलिस उसे अपने साथ ले जाती है. यह दृश्य पूरे शाह परिवार को झकझोर देता है. अपने पोते को इस मुश्किल से निकालने के लिए अनुपमा हर संभव प्रयास करती है. वह पुलिस से गुहार लगाती है, यहां तक कि पुलिस वाहन के पीछे दौड़ते हुए गिर भी जाती है, लेकिन अंश को रोक नहीं पाती. इसके बाद वह सीधे थाने पहुंचकर मामले की सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती है. नए प्रोमो में दिखाया गया है कि अनुपमा उस युवती से मिलती है, जिसने अंश पर आरोप लगाया है. वह उससे भावुक होकर सच बोलने की अपील करती है और बताती है कि अंश के परिवार में शादी का माहौल है. अनुपमा उस युवक से भी बात करती है, जिसने अंश और युवती का वीडियो बनाया था. उसकी सच्ची बातों का असर धीरे-धीरे युवती पर होने लगता है और उसे अपने फैसले पर पछतावा महसूस होने लगता है. कहानी यहीं से बड़ा मोड़ लेती है. माना जा रहा है कि युवती अंततः सच का साथ दे सकती है और गौतम गांधी की साजिश का पर्दाफाश कर सकती है.

तुलसी की जिंदगी में फिर होगी न्योना की एंट्री

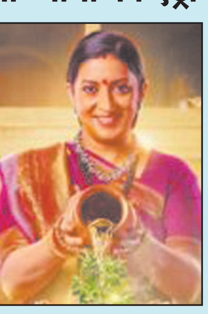

धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का नया अध्याय कई चौंकाने वाले घटनाक्रमों के साथ आगे बढ़ रहा है. हालिया एपिसोड में खुलासा हुआ कि जिस रियो को खलनायक माना जा रहा था, वह असली दोषी नहीं था. असली अपराधी पार्थ निकला, जिसने वैष्णवी पर हमला किया, उसकी जान लेने की कोशिश की और रियो को भी हत्या कर दी. जब पार्थ अपनी सारी सीमाएं पार कर देता है, तब नंदिनी उसे रोकने की कोशिश करती है. लेकिन पार्थ अपनी मां का भी अपमान कर देता है. मजबूर होकर नंदिनी ऐसा फैसला लेती है, जिसकी कोई भी मां कल्पना नहीं कर सकती. वह अपने ही बेटे पर गोली चला देती है. इसके बाद तुलसी परिवार को बचाने के लिए पार्थ की मौत की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेती है और जेल चली जाती है. कहानी में इसके बाद 10 साल का लीप आता है. इस दौरान शांति निकेतन का बंटवारा हो चुका है, वैष्णवी मानसिक आघात से जूझ रही है और नंदिनी का स्वभाव पूरी तरह बदल चुका है.

52 साल बाद गैलेक्सी छोड़ेंगे सलमान

सलमान का नया ड्रीम होम

सलमान खान का गैलेक्सी अपार्टमेंट केवल एक घर नहीं, बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए एक पहचान बन चुका है. सालों से ईद के मौके पर सलमान अपनी बालकनी में आकर फैंस का अभिवादन करते रहे हैं और यह दृश्य बॉलीवुड की सबसे चर्चित परंपराओं में शामिल हो चुका है. अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बांद्रा के समुद्र किनारे स्थित उनके परिवार की जमीन पर छह मंजिला नया आवासीय भवन बनाने की मंजूरी मिल गई है.

इस प्रोजेक्ट में आधुनिक सुविधाओं से लैस बहुमंजिला आवास तैयार किया जाएगा. बताया जा रहा है कि जमीन सलमान खान की मां सलमा खान के नाम पर पंजीकृत है. नए भवन में परिवार के सभी सदस्यों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग फ्लोर और अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी. हालांकि निर्माण

कार्य कब शुरू होगा और कब तक पूरा होगा, इसे लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. गौरतलब है कि सलमान खान बचपन से ही गैलेक्सी अपार्टमेंट में रह रहे हैं. वर्ष 1974 से यह घर खान परिवार का स्थायी पता रहा है. इसी घर से सलमान ने अपने फिल्मी करियर के सुनहरे दौर को देखा और यहीं से वे करोड़ों प्रशंसकों से जुड़े रहे. ऐसे में यदि भविष्य में उनका परिवार नए घर में शिफ्ट होता है, तो यह उनके जीवन का एक बड़ा बदलाव माना जाएगा. इसके बावजूद फैंस के बीच नए घर के डिजाइन, लोकेशन और सुविधाओं को लेकर जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है. आने वाले समय में यदि निर्माण कार्य शुरू होता है और परिवार की ओर से आधिकारिक घोषणा की जाती है, तो यह बॉलीवुड की सबसे चर्चित रियल एस्टेट खबरों में से एक साबित हो सकती है.

हुमा की फिल्म अब दुनियाभर में होगी रिलीज

बेबी डू डाई डू अपने ट्रेलर जारी होने के बाद से लगातार चर्चा में बनी हुई है. फिल्म में हुमा कुरैशी का अलग और दमदार अवतार दर्शकों को देखने को मिलेगा, जहां वह भारत की पहली देसी सुपारी किलर की भूमिका निभा रही हैं. उनके इस अनोखे किरदार ने सामाजिक माध्यमों में पर काफी उत्सुकता पैदा की है और फिल्म को लेकर सकारात्मक माहौल बनाया है. फिल्म को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बाद इसके निर्माताओं ने इसे वैश्विक स्तर पर

बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने का निर्णय लिया है. अब यह फिल्म भारत के साथ-साथ खाड़ी सहयोग परिषद के देशों, ऑस्ट्रेलिया और एम्स्टर्डम के सिनेमाघरों में भी प्रदर्शित की जाएगी. इस अंतरराष्ट्रीय विस्तार का उद्देश्य फिल्म को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाना और भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान को और मजबूत करना है. फिल्म की चर्चा केवल इसकी कहानी तक सीमित नहीं है. इसके दमदार एक्शन दृश्यों, आकर्षक दृश्य प्रस्तुति और अनूठे फिल्मांकन की भी खूब सराहना हो रही है.

सीएसई के बाद कॅरियर के कौन-कौन से विकल्प

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का चार वर्षीय पाठ्यक्रम आठ सेमेस्टर में पूरा होता है. पहले वर्ष में छात्रों को गणित, भौतिकी, इंजीनियरिंग ड्रॉइंग, प्रोग्रामिंग की मूल बातें, संचार कौशल और बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं. इसी दौरान छात्रों को सी, सी++ या पाइथन जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं का परिचय भी मिलता है. दूसरे वर्ष में पढ़ाई का स्तर और गहरा हो जाता है. इस दौरान डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिदम, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, ऑपरेटिंग सिस्टम और कंप्यूटर नेटवर्क जैसे मुख्य विषय पढ़ाए जाते हैं. यही विषय आगे चलकर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की मजबूत नींव तैयार करते हैं.

तीसरे वर्ष में छात्र अपनी रुचि के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन और मोबाइल ऐप डेवलपमेंट जैसे वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं. इस दौरान उद्योगों से जुड़े प्रोजेक्ट और इंटर्नशिप पर भी विशेष जोर दिया जाता है. अंतिम वर्ष में छात्रों को प्रमुख परियोजना, औद्योगिक प्रशिक्षण और शोध आधारित कार्य करने का अवसर मिलता है. यही अनुभव उन्हें नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए तैयार करता है.

जहां तक आईआईटी और अन्य कॉलेजों के सिलेबस की बात है, तो मूल विषय लगभग समान होते हैं. अंतर पढ़ाने के तरीके, शोध सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, अनुभवी शिक्षकों, उद्योगों के साथ जुड़ाव और प्रायोगिक शिक्षा में होता है. आईआईटी में छात्रों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं में भागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति और दुनिया की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ काम करने के अधिक अवसर मिलते हैं. आईआईटी के छात्र अक्सर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, एप्पल, मेटा, एनवीडिया, एडोबी, गोल्डमैन सैक्स, एटलसियन और कई वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों में आकर्षक वेतन पैकेज पर चयनित होते हैं.

341 एएसओ पदों पर विभागीय परीक्षा का ऐलान

एसएससी एएसओ भर्ती के लिए 16 जुलाई तक करें आवेदन

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह विभागीय प्रतियोगी परीक्षा केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) और विदेश मंत्रालय (एमईए) के लिए आयोजित की जाएगी. कुल 341 पदों में से 318 पद केंद्रीय सचिवालय सेवा के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि 23 पद विदेश मंत्रालय के असिस्टेंट ग्रेड के लिए हैं. इस परीक्षा में केवल केंद्र सरकार के वे कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं, जो अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) या सिस्टेंट सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट (एसएसए) के पद पर कार्यरत हैं. अभ्यर्थी के पास 1 जुलाई 2025 तक कम से कम छह वर्ष की नियमित सेवा होना अनिवार्य है. विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए निर्धारित विभागीय प्रशिक्षण पूरा करना भी आवश्यक होगा.

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 जून 2026 से शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 16 जुलाई 2026 रात 11 बजे तक निर्धारित की गई है. विभाग के माध्यम से सत्यापित हार्ड कॉपी 23 जुलाई 2026 तक भेजनी होगी, जबकि दूरदराज के क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए अंतिम तिथि 30 जुलाई 2026 है. कंप्यूटर आधारित परीक्षा का आयोजन अगस्त 2026 में संभावित है. चयन प्रक्रिया दो चरणों में होगी. पहले चरण में 300 अंकों की कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25 अंक की ऋणात्मक अंकन व्यवस्था लागू रहेगी. दूसरे चरण में 100 अंकों के सेवा रिकॉर्ड और वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एपीएआर) का मूल्यांकन किया जाएगा. दोनों चरणों के कुल 400 अंकों के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार होगी. इस परीक्षा के माध्यम से चयनित कर्मचारियों को वेतन मैट्रिक्स लेवल-7 (44,900 रुपये से 1,42,400 रुपये) के अंतर्गत वेतन मिलेगा. परीक्षा केवल दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी.

आवेदन करने से पहले सभी उम्मीदवारों को आयोग के नए पोर्टल पर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) करना अनिवार्य होगा, क्योंकि पुराना पंजीकरण मान्य नहीं रहेगा. आवेदन पत्र जमा करने के बाद उसकी सत्यापित हार्ड कॉपी निर्धारित समय सीमा के भीतर आयोग के संबंधित कार्यालय में भेजना भी आवश्यक होगा.

स्लाइडिंग से मिल सकती है पसंदीदा ब्रांच

जोसा काउंसलिंग में सीट आवंटित होने के बाद अभ्यर्थियों को फ्रीज, फ्लोट और स्लाइडिंग में से किसी एक विकल्प का चयन करना होता है. इन तीनों विकल्पों का उद्देश्य अलग-अलग होता है और इन्हें समझकर ही फैसला लेना चाहिए. स्लाइडिंग का अर्थ है कि आप अपने मौजूदा संस्थान से संतुष्ट हैं, लेकिन उसी संस्थान में अपनी पसंद की बेहतर शाखा पाना चाहते हैं. यदि अगले चरण में आपकी वरीयता सूची के अनुसार उसी संस्थान में कोई उच्च शाखा उपलब्ध होती है, तो आपको सीट उसी संस्थान के भीतर अपग्रेड कर दी जाएगी. उदाहरण के तौर पर यदि आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में केमिकल इंजीनियरिंग मिली है और आपकी वरीयता सूची में उसी संस्थान की कंप्यूटर साइंस या डेटा साइंस शाखा ऊपर दर्ज है, तो स्लाइडिंग चुनने पर आपको केवल उसी संस्थान में बेहतर शाखा मिलने का अवसर मिलेगा. किसी दूसरे संस्थान में आपकी सीट स्थानांतरित नहीं होगी.

वहीं फ्लोट विकल्प उन छात्रों के लिए होता है, जो वर्तमान में मिली सीट स्वीकार तो करना चाहते हैं, लेकिन अगले चरणों में अपनी वरीयता सूची के अनुसार किसी दूसरे संस्थान या बेहतर शाखा में जाना चाहते हैं. इस विकल्प को चुनने पर आपकी वर्तमान सीट सुरक्षित रहती है, साथ ही आपको बेहतर संस्थान या बेहतर शाखा मिलने का अवसर भी मिलता है. यदि कोई छात्र अपनी मिली हुई सीट से पूरी तरह संतुष्ट है और आगे किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं चाहता, तो उसे फ्रीज विकल्प चुनना चाहिए. इसके बाद उसकी सीट अंतिम मानी जाती है.

8वीं से ग्रेजुएट्स तक के लिए निकलीं भर्तियां

इस सप्ताह सबसे बड़ी भर्ती भारतीय स्टेट बैंक की ओर से निकाली गई है. बैंक ने प्रोबेशनरी अधिकारी (पीओ) के 1,500 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 8 जुलाई 2026 है. चयन प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा. प्रारंभिक परीक्षा अगस्त और मुख्य परीक्षा सितंबर 2026 में प्रस्तावित है. वहीं कर्नाटक पुलिस ने पुलिस कांस्टेबल (सिविल) के 3,991 पदों पर भर्ती निकाली है. इस भर्ती के लिए 12वीं पास अभ्यर्थी

एसबीआई, पुलिस समेत 6500 पदों पर भर्ती

आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है.

न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने स्नातक युवाओं के लिए 550 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है. किसी भी विषय से स्नातक अभ्यर्थी बिना पूर्व कार्य अनुभव के आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 6 जुलाई 2026 है.

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने 326 पदों पर इंटरमीडिएट स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का विज्ञापन जारी किया है. इसके माध्यम से स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, कनिष्ठ क्षेत्रीय अन्वेषक, पशु चिकित्सा सहायक, कीट संग्रहकर्ता और मत्स्य तकनीकी सहायक जैसे पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी.

इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 जुलाई 2026 से शुरू होंगे. इसके अलावा मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने करीब 500 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है. इसमें 8वीं, 10वीं और आईटीआई पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 1 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि आवेदन करने से पहले संबंधित भर्ती का आधिकारिक विज्ञापन ध्यान से पढ़ें, अपनी पात्रता की जांच करें और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें.